8.	आई.आर.एस.-1डी	-	प्राकृतिक संसाधनो का सर्वेक्षण और प्रबंध, पर्यावरण का मानीटरन, मानचित्रण के लिए उच्च विभेदन प्रतिबिम्बिकी, वनस्पति के मानीटरन के लिए संक्षिप्त सर्वेक्षण।
9.	आई.आर.एस.-पी3	-	समुद्रविज्ञानीय उपयोग, उच्च आवृत्ति वाले पर्यवेक्षणों एवं एक्स-किरण खगोलिकी सहित भूमि एवं कृषि आधारित उपयोगों के लिए संक्षिप्त सर्वेक्षण।
10.	श्रोस-सी2	-	ऊपरी वायुमण्डलीय मापन/अध्ययन, गामा-किरण खगोलिकी।

(ख) और (ग) आगामी योजनाओ के भाग के रुप मे निमलिखित उपग्रहो को प्रमोचिर किए जाने की योजना है

1.	इन्सेट-2ई	5.	इन्सैट-3डी	9.	आई.आर.एस-पी4
2.	इन्सैट-3ए	6.	इन्सैट-3ई	10.	आई.आर.एस.पी5
3.	इन्सैट-3बी	7.	जीसैट-1	11.	आई.आर.एस.-पी6
4.	इन्सैट-3सी	8.	जीसैट-2		

(ध) जी,नही।

भूमिगत जल स्तर में गिरावट

447. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गुजरात राज्य के कुछ जिलों में भूमिगत जल स्तर में गिरावट के संबंध में कोई सधन सर्वेक्षण किया हैं;

(ख) यदि हां, तो इसका जिलावर ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या राज्य के कुछ क्षेत्रों में पेयजल की समस्या और सिंचाई के संसाधनों की कमी से निपटने के लिए सरकार ने कोई कार्य योजना बनाई है; और

(घ) क्या राज्य के सूखाग्रस्त जिले कच्छ में पेयजल की अत्यधिक कमी को दूर करने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने पर सरकार ने कोई निर्णय लिया हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल) : (क) जी, हां।

(ख) केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा गुजरात में भूजल स्तरों के दीर्घकालीन प्रेक्षण किए गए हैं। इस राज्य में उथले जलभूतों में 10.41 मीटर तक और गहरे जलभूतों में 50.37 मीटर तक जल स्तरों में गिरावट दिखाई गई हैं। गुजरात में भूजल स्तर की जिलावार गिरावट का ब्यौरा संलग्र विवरण में दिखाया गया हैं। (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) गुजरात सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार पंचमहल जिलो सहित सौराष्ट्र,कच्छ, उत्तरी गुजरात के लिए स्थायी पेय जल स्रोतों के लिए 4,700 करोड़ रू. की अनुमानित लागत से सरदार सरोवर नहर और माही पाइप लाइन पर आधारित पेय जल आपूर्ति योजना तैयार की गई है। कच्छ जिला की पेय जल समस्या को हल करने के लिए पुनर्भरण और जल जमा करने वाली संरचनाओं का व्यापक कार्य भी शुरू किया गया हैं। राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया हैं कि उन्होने इस क्षेत्र में पेय जल तथा सिंचाई संसाधनों की कमी की समस्या को हल करने के लिए 359.5 करोड़ रू. की राशि को ओ ई सी एफ (जापान) सहायता के वास्तें उत्तरी गुजरात क्षेत्र में अति-दोहन जलभूतों में सतही जल पुनर्भरण बढ़ाने के लिए एक परियोजना तैयार की हैं।

देश के विभिन्न भागों में कुओं की खुदाई करके वैज्ञानिक अन्वेषण करते हुए केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड ने कच्छ जिले में 12 कुएं सौपे हैं।

विवरण

गुजरात में भूजल स्तर में जिलेवार गिरावट के अंतर्गत ये जिले सूखा-प्रवण समझे जाते हैं।

क्र.सं.	जिला	उथले जलभृत गिरावट का स्तर मी.	गहरे जलभृत गिरावट का स्तर मी.
1	2	3	4
1.	अहमदाबाद	0.73 ये 2.50	12.9
2.	अमरेली	0.52 से 6.61	3.18 से 7.12
3.	बनासकांठा	0.68 से 9.44	26.30
4.	वडोदरा	0.55 से 3.55	-
5.	भावनगर	0.55 से 10.25	-
6.	भरूच	0.11 से 3.45	-
7.	डॉग	0.36 से 1.50	-
8.	गांधीनगर	-	1.99 से 12.42
9.	जूनागढ़	0.19 से 10.61	-
10.	खेड़ा	-	-
11.	कच्छ	0.22 से 6.89	-
12.	मेहसाणा	0.44 से 2.71	0.57 से 50.37
13.	पंचमहल	0.03 से 5.50	-
14.	राजकोट	0.80 से 6.03	-
15.	साबरकांठा	-	-
16	सूरत	0.46 से 3.52	-
17.	सुरेन्द्र नगर	0.13 से 6.60	-
18.	वलसाड़	0.04 से 1.31	-

Water Disputes between States

448. SHRI SANTOSH BAGRODIA. Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are different disputes pending to be solved for sharing of water between different States; and

(b) by what time and in what manner does the Government plan to settle these disputes?